अर्द्धवार्षिक परीक्षा - 2022-23

कक्षा-11

विषय-सामान्य हिन्दी

समय : 2.15 घंटे] [पूर्णांक : 100

निर्देश- प्रश्न पत्र दो खंडों में विभाजित है खंड - अ एवं खंड - ब।
सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्र. 1 बहुविकल्पीय प्रश्न- 10×2=20

(क) भारत दुर्दशा के लेखक हैं-
(1) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(2) राय कृष्णदास
(3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (4) श्याम सुन्दर दास

(ख) सरदार पूर्ण सिंह का लेखन युग है-
(1) भारतेन्दु युग (2) द्विवेदी युग
(3) छायावादोत्तर युग (4) छायावादी युग

(ग) हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास है-
(1) भाग्यवली (2) परीक्षागुरू
(3) कंकाल (4) पुनर्नवा

(घ) गोदान किस विधा की रचना है?
(1) उपन्यास (2) नाटक
(3) आत्मकथा (4) डायरी

(ङ) एकांकी सम्राट कहा जाता है-
(1) रामकुमार वर्मा को (2) सेठ गोविन्द दास को
(3) हरिकृष्ण प्रेमी को (4) मोहन राकेश को

प्रश्न 2. (क) निम्नलिखित में से कौन प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं है-
(1) जायसी (2) सूरदास
(3) मंझन (4) कुतुबन

(ख) आदिकाल का एक नाम है?
(1) स्वर्ण युग (2) सिद्ध सामंत काल
(3) शृंगार काल (4) भक्तिकाल

(ग) विनय पत्रिका के कवि हैं-
(1) सूरदास (2) कबीरदास
(3) तुलसीदास (4) जायसी

modelpaper.info

(घ) पृथ्वीराज रासो के रचनाकार है-

(1) जायसी (2) मंझन

(3) कुतुबन (4) चन्दबरदायी

(ङ) अष्टछाप के कवियों का सम्बन्ध भक्तिकाल की किस शाखा से है?

(1) ज्ञानाश्रयी शाखा (2) प्रेमाश्रयी शाखा

(3) कृष्णभक्ति शाखा (4) रामभक्ति शाखा

प्रश्न 3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5×2=10

हाय, अफसोस, तुम ऐसे हो गये कि अपने निज की काम की वस्तु भी नहीं बना सकते। भाइयों, अब तो नींद से चौंको, अपने देश की सब प्रकार से उन्नति करो। जिसमें तुम्हारी भलाई हो वैसी ही किताब पढ़ो, वैसे ही खेल खेलो, वैसी ही बातचीत करो। परदेशी वस्तु और परदेशी भाषा का भरोसा मत रखो। अपने देश में अपनी भाषा में उन्नति करो।

(1) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(2) प्रस्तुत गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) लेखक ने किस बात पर अफसोस प्रकट किया है?

(4) लेखक ने अपने देशवासियों को किसकी उन्नति पर बल देने की बात कही है?

(5) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किसका भरोसा न करने को कहा है?

अथवा

आकाश में सूर्य के दिखायी देते ही नदियों ने विलक्षण ही रूप धारण किया। दोनों तटों या कगारों के बीच से बहते हुए जल पर सूर्य की लाल-लाल प्रातःकालीन धूप जो पड़ी तो वह जल परिपक्व मदिरा के रंग सदृश हो गया। अतएव ऐसा मालूम होने लगा, जैसे सूर्य ने किरण-बाणों से अंधकार रूपी हाथियों की घटा को सर्वत्र मार गिराया हो, उन्हीं के घावों से निकला हुआ रूधिर बहकर नदियों में आ गया हो, और उसी के मिश्रण से उनका जल लाल हो गया है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(2) प्रस्तुत गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) प्रातःकालीन सूर्य की किरणें पड़ने पर नदियों का जल किस प्रकार प्रतीत होने लगा?

(4) प्रस्तुत गद्यांश में अंधकार की तुलना किससे की गई है?

(5) सूर्य की किरण बाण ने किसे नष्ट किया?

modelpaper.info

प्रश्न 4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

5×2=10

कबीर यहु घर प्रेम का, खाला का घर नाहिं।
सीस उतारे हाथि करि, सो पैठे घर माहिं।।
लंबा माग दूरि घर, विकट पंथ बहुमार ।
कहौ संतो क्यूं पाइये, दुर्लभ हरि दीदार ।।

(1) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं पाठ का नाम लिखिए।
(2) ईश्वर का प्रेम पाने के लिए सधक को क्या करना चाहिए?
(3) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(4) कवि ने ईश्वर के दर्शन को क्यों दुर्लभ कहा है?
(5) कवि ने किसके घर को दूर कहा है?

अथवा

अँखियाँ हरि दरसन की भूखीं।
कैसे रहति रूप-रस राँची, ये बतियाँ सुनि रूखीं।
अवधि गनत, इकटक मग जोवत, तब इतनौ नहिं झूखीं।।
अब यह जोग संदेसौ सुनि-सुनि अति अकुलानी दूखीं।
बारक वह मुख आनि दिखावहु, दुहि पय पिवत पतूखीं।
सूर स कत हठि नाव चलावत, ये सरिता हैं सूखीं ।।

(1) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(3) श्रीकृष्ण के वियोग में गोपियों का हृदय कैसे हो गया है?
(4) गोपियों की आँखें किसके लिए व्याकुल है?
(5) गोपियाँ उद्धव से क्या निवेदन कर रही है?

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक/कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 10

(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (2) कबीरदास
(3) सूरदास

प्रश्न 6. बलिदान कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 10

खण्ड (ख)

प्रश्न 7. दिये गये संस्कृत गद्यांश/पद्यांश का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए।
ऋषेः भरद्वाजस्य आश्रमः अपि अत्रैव अस्ति, यत्र पुरा दशसहस्त्रमिताः विद्यार्थिनः अधीतिनः, आसन् । पितुः आज्ञां पालयन् पुरुषोत्तमः श्रीरामः अयोध्यायाः वनं गच्छन् कुत्र मया वस्तव्यम् इति प्रष्टुम् अत्रैव भरद्वाजस्य समीपम् आगतः। चित्रकूटमेव त्वन्निवासयोग्यम् उचितं स्थानम् इति तेनादिष्टः

(कृ०५०३०)

modelpaper.info

रामः, सीतया लक्ष्मणेन च सह चित्रकूटम् अगच्छत् ।

अथवा

ईशावास्यमिदं सर्वं यत् किञ्च जगत्यां जगत्
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद् धनम् ।।
यतो यतः समीहसे ततो नो अभयं कुरू,
शन्नः कुरू प्रजाभ्योऽभयं नः पशुभ्यः ।।

प्रश्न 8. निम्नलिखत मुहावरों में से किसी दो का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(1) उल्टी गंगा बहाना (2) दाल में काला होना
(3) चंपत होना (4) घी के दिये जलाना ।

प्रश्न 9. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो का संधि-विच्छेद कीजिए।2

(1) सूर्योदय (2) नदीशः
(3) परमार्थः (4) तथेति

(ख) निम्नलिखित शब्द युग्म का सही अर्थ लिखिए। 2

(1) कुल-कूल (2) अंबुज-अम्बुद

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के दो-दो अर्थ लिखिए। 2

(1) अर्क (2) द्विज (3) पतंग (4) वर

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए।

(1) जो पहले कभी न हुआ हो।
(2) सत्य में जिसका दृढ़ विश्वास हो
(3) जिसका कोई आकार न हो
(4) मध्य रात्रि का समय

प्रश्न 10. (क) शृंगार रस अथवा शांत रस का लक्षण और उदाहरण लिखिए।2

(ख) यमक अथवा रूपक अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 2

(ग) चौपाई अथवा सोरठा छंद का लक्षण और उदाहरण लिखिए।2

प्रश्न 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबंध लिखिए। 10

(1) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन
(2) साहित्य समाज का दर्पण
(3) प्रदूषण की समस्या - कारण और निवारण

modelpaper.info